PADUA COLLEGE OF COMMERCE AND MANAGEMENT

Nanthur, Mangalore - 575 004

INTERNAL EXAMINATION ANSWER SHEET

Name of the student : JYOTHI DAFNY D'SILVA Roll No : 180117

Class : II B.COM 'A' Date : 19/02/2020

Subject : HINDI No. of additional sheets used : 2

Signature of the invigilator : Signature of the student : D'Silva

Question Numbers & Marks Table

Q.No	a	b	c	d	e	f	g	h	i	j	total
1.											
2.											
3.											
4.											
5.											
6.											
7.											
8.											
9.											
10.											
11.											
12.											
13.											
14.											
15.											
16.										Grand Total	38/100
Name and Signature of the Valuator											

Start writing from here

I 1. अगर युद्ध के दौरान कोई मर जाता है तो उनके बाल बच्चों की देखभाल करने का वचन देता है।

2. नुन्नू दे कुन्हा।

3. इनसानियत

4. पुर्तगालों के तोपकान आने से

5. श्यामा का बेटा।

Scanned with CamScanner

॥ न.

ससंदर्भ : 1. इस वाक्य को रक्षाबंधन नाटक से लिया गया है।
2. इस नाटक के ~~(कवि)~~ लेखक हैं हरिकृष्ण प्रेमी
3. इस वाक्य को श्यामा चारणी से कहती है।

व्याख्या : चारणी गाते हुए रंगमंच पर प्रवेश करती है वह जंगल का दृश्य है। वहाँ श्यामा मौजूद होती है तब श्यामा चारणी से पूछती है कि वह कौन है तब चारणी कहती है कि वह विक्रमादित्य के राजमहल में गाने वाला लड़की है। चारणी श्यामा से पूछती है कि वह कौन है तो श्यामा कहती है कि मैं एक घाव खायी हुई नागिन की तरह हूँ। ऐसा क्यूँ चारणी के पूछने पर वह कहती है कि उससे उसका सुगाह होना गया था वह एक दिन की वधु थी। श्यामा बताती है कि स्वर्गीय रत्नासिंह के बेटे कुमार से प्यार था और वे एक दिन श्यामा के रूप ज्वाला के पतंगा बनने आये थे। वह एक भील पुत्री है।

विशेषता : इस व्याक्य के माध्यम से लेखक श्यामा के कुमार के प्रति प्यार को दर्शाती है।

3. ससंदर्भ : 1. इस वाक्य को रक्षाबंधन नाटक से लिया गया है।
2. इस नाटक के लेखक हैं हरिकृष्ण प्रेमी।
3. इस वाक्य को कर्मवती जवाहरबाई से कहती है।

व्याख्या : जब विक्रमादित्य भीलराज का अपमान करता है तब जवाहरबाई का प्रवेश होता है और वह विक्रमादित्य को डाँटती है और वह कहती है कि वह राजा बनने के लायक नहीं है और वह यह भी कहती है कि वह इस तरह से उसके प्रजा का अपमान नहीं कर सकता और उसे मुकुट उतारने को कहती है और कर्मवती के बेटे उदयसिंह

तब कर्मवती वहाँ को पहचानने के लिए कहती है कि यह पर आती है और वह कहती है कि वह छोटा गलत है बड़े भाई के होने के बावजूद छोटा भाई कैसे सिंहासन बैठ सकता है और वह कहती है कि वह अब भी बच्चा है उसके हाथों में तलवार देनी चाहिए राजमुकुट नहीं।

विशेषता: इस वाक्य के माध्यम से लेखक उदयसिंह का बचपना दर्शा रहे हैं।

III 10. श्यामा एक भील पुत्री है। वह एक भीलनी है। वह स्वर्गीय महाराणा रत्नसिंह की बहु है। उसके पुत्र का नाम विजयसिंह है। श्यामा जंगल में जा रही (है) थी और तभी वहाँ पर चारणी मेवाड़ के महानता का गीत गाते आ रही थी तो श्यामा चारणी से पूछती है कि वह कौन है और चारणी बताती है कि वह चारणी है और वह महल में गाने वाली लड़की है। चारणी पूछती है वह कौन है तो श्यामा बताती है कि वह एक घायल नागिन है जो सबको डँसना चाहती है। इसका क्या मामला है चारणी के पूछने पर वह बताती है कि वह बहुत दुखी है क्योंकि उससे उसके सुहाग को छीना गया था। वह महाराणा रत्नसिंह के बेटे से प्यार करती थी और एक दिन वे श्यामा के प्यार की बाहों में फस गये थे। तो वह जंग के मैदान पर वह नहीं पहुँच पाये तो उन्हें मृत्युदंड दिया गया। वह सिर्फ एक दिन के लिए दुल्हन बनी। एक दिन में सुहाग रात हुई और इसकी निशानी उसका बेटा विजयसिंह है और चारणी कहती है कि देशप्रेम के आगे कुछ नहीं होता खुद का स्वार्थ भी नहीं। इसलिए श्यामा चारणी की सहायता करने के लिए मान जाती है। जब जवाहरबाई लड़ रही थी तो श्यामा का पुत्र विजयसिंह वहाँ पर आकर बचाता है और तब वहाँ श्यामा वहाँ पर आती है और श्यामा कहती है कि उस महल में इज्जत प्यार

नहीं मिला था। तो जवाहरबाई कहती है कि किसने इसके साथ ऐसा किया था और फिर विजयसिंह को एक दिन का युवराज बनाता है। श्यामा भी जवहर में दूसरे राजपूतानियों के साथ कूदना चाहती है मगर फिर वहां निश्चय करती है कि वह रोगी, गरीब, दीनता लोगों कि सेवा करेगी और अपने बेटे को एक सिपाही की तरह लड़ने के लिए बेजता है और वह भी जवहर में नहीं कूदती है।

IV

13. बाघसिंह :

बाघसिंह महाराणा विक्रमादित्य के चाचा है और एक राजा थी। जब मेवाड पर बहादुरशाह जंग का ऐलान करते हैं तो बाघसिंह और भीलराज महल में आते हैं और देखते हैं कि वह नाच देख रहा था, तो बाघसिंह को गुस्सा आता है और वह कहता है कि राजा को विलासित राजा नहीं बनना चाहिए और यह सब गलत है। लेकिन विक्रम किसी बात नहीं सुनता। बाद में कामवती और जवाहरबाइ बाघसिंह जी से पूछते है कि युद्ध का हाल कैसा है तो वह कहता है कि उन्होंने पुर्तगाली तोपखानों से दीवार को उड़ाया है और वे अंदर आने वाले हैं। बाघसिंह जी एक बहादुर इनसान थे। जब सबको लगा की वे हार जाएंगे तो बाघसिंह जी ने विक्रमादित्य को प्रोत्साह देते हैं लड़ने के लिए। जब जवाहरबाई मर जाती है तो बाघसिंह विक्रमादित्य को फिर से राजा बनाता है और लड़ने के लिए प्रोत्साहित करता है। जब हुमायु आते हैं लड़ने के लिए मेवाड का साथ देने लिए तो बाघसिंह (के) साथ में जाता है, लड़ता है और विजय प्राप्त करता है।

16. प्रेषक,

रेशमा
पि.वि. आर रोड
दूसरी गली, नई दिल्ली

सेवा में,

निर्देशक
बरोड बैंक
नई दिल्ली

महोदय/मान्यवर,
विषय: अनुवाद ब्यूरो में सहायक निर्देशक के स्थान के लिए।

नवभारत टाईम्स के न्यूज़ पेपर में आप का ज्ञापन देखा। इसलिए मैं इस यहाँ पर काम करना चाहता हूँ। तो मैं इसलिए यह स्ववृत्त लेख लिख रही हूँ।

मेरी शैक्षिक योग्यताएँ इस प्रकार हैं-

नाम और पता	: रेशमा पि.वि. आर रोड दूसरी गली, नई दिल्ली
पिता का नाम	: आल्फ्रेड डिसोज़ा
जन्म तिथि	: 11-09-2000
वास्तविक स्थान	: हिन्दी अध्यापिक
शैक्षिक योग्यताएँ	: बि.कॉम, ए.बी.पी.एस परीक्षा।
अनुभव	: 1. 3 साल हिन्दी अध्यापिका 2. 2 साल बैंक में काम

अगर आप मुझे यह काम देंगे तो मैं पूरे मन से यह काम करूँगी।

सधन्यवाद

हस्ताक्षर
(R)

Scanned with CamScanner

दिनांक : 19/02/2020
स्थान : नई दिल्ली

V.15

सेवा से,

रेशमा
नई दिल्ली

दिनांक : 19/02/2020

सेवा में,

रेलवे अधिकारी
नई दिल्ली

प्रिय महोदय,

मैं यह शिकायती पत्र इसलिए लिख रही हूँ क्योंकि मैं शिकायत करना चाहती हूँ। दिल्ली के रेलवे स्टेशन पर बहुत गंदगी फैली हुई है और वहाँ पर सही से काम नहीं चल रहा है। ठीक से बैठने के लिए जगह तक नहीं इससे लोगों को कष्ट हो रहा है।

इसलिए मैं आपसे निवेदन करती हूँ कि आप इस समस्या का समाधान जल्द से जल्द लें।

सधन्यवाद

आपकी
विश्वासी
रेशमा

5

PADUA COLLEGE OF COMMERCE & MANAGEMENT

ADDITIONAL ANSWER SHEET No ..2.......; Reg No...18017.........

1.

रक्षाबंधन नाटक के नाटककार श्री हरिकृष्ण प्रेमी है। इस नाटक के द्वारा इस देश की राष्ट्रीयता को दर्शाते है।

मेवाड़ का राजमहल है। धनदास और एक आदमी बात करते है। धनदास राजनीति के बारे में बात कर रहा था और उसकी बातें आज की राजनीतिक दशा के बारे में लागू करती है। तब विक्रमादित्य आते है। वे महाराणा सांगा के पुत्र है और मेवाड़ के राजा विक्रमादित्य ननकी को बुलाता है और तभी बाघसिंह और भीलराज आते हैं युद्ध के बारे में बताने के लिए। तब विक्रम भीलराज को नीच कहता है और जवाहरबाई आकर उसे डाँटती है। भीलराज की तरफ से जवाहरबाई बात करती है। और फिर कर्मवती और जवाहरबाई से आशीर्वाद माँगता है।

श्यामा और चारणी मिलते हैं जंगल में और श्यामा बताती है कि वह सिर्फ एक दिन के लिए सुहागन थी उसके प्रियतम को मृत्यु दंड दिया गया था। चारणी श्यामा को समझाती है और श्यामा समझ जाती है कि देश प्रेम बहुत ज़रूरी है अपने स्वार्थ से।

चाँदखाँ और विक्रम बात कर रहे हैं और चाँदखाँ कहता है कि वह वापिस जाना चाहता है लेकिन विक्रम उसे नहीं छोड़ता।

बहादुरशाह लड़ाई की तैयारी कर रहा था। वह पुर्तगाली की सहायता लेता है और दूसरी ओर मेवाड़ियों के पास सेना कम थी तो कर्मवती हुमायूं को राखी भेजती है। शाहशेख बहादुरशाह को बहुत समझाता है लेकिन वह नहीं समझता।

हुमायूं को राखी प्राप्त होती है और वह अपनी बहन कर्मवती की मदद करना चाहता है तो वह जाता है अपनी जंग छोड़ कर। वह कहता है कि मोहब्बत और विश्वास पर दुनिया टिकी है। और वह मेवाड़ जाता है।

Scanned with CamScanner

श्यामा जवाहर में रुकना चाहती है लेकिन वह मारोली, दीन, रोगी की सेवा करने का निश्चय करती है। श्यामा अपने बेटे को सिपाही की तरह जंग में भेजती है।

जवाहरबाई, कर्मवती का भाई अर्जुनसिंह युद्ध में शहीद होते हैं और मरने से पहले जवाहरबाई विजय को पहचानती है और एक दिन का युवराज बनाती है।

कर्मवती और 16,000 राजपूतनियाँ जौहर में खुदकार मर जाती है और हुमायूँ आकर उसके राख पर माथा टेक कर कहता है कि वह अपना फर्ज नहीं अदा कर सका और विक्रम को राजा बनाता है और थोड़ा कर्ज अदा करता है। बहादुरशाह पराजित होता है और उसे अपने साम्राज्य से भी हाथ धोना पड़ता है।

5

IV

12. चाँदखाँ :

चाँदखाँ बहादुरशाह गुजरात के बादशाह का भाई था। उनके बीच अनबंद के कारण चाँदखाँ विक्रम के शरण में आया था। विक्रम उसको मदद करता है। जब बहादुरशाह का पत्र आता है तो चाँदखाँ कहता है कि हिन्दु मुसलमान बंधु लड़ेंगे? मैं वापिस जाता हूँ एक दिन तो मरना ही है। चाँदखाँ को विक्रम नहीं छोड़ता। पर चाँदखाँ जाना चाहता था और वह कहता है कि भाई के हाथों से मरने का मजा ही अलग है।

2